

PROF. ARUN KUMAR SRIVASTAVA
(HOD POL. SCIENCE)
VISTHAPIT COLLEGE, BALIDIH
UG SEMESTER-6
POL. SCIENCE DSE-3(B)
(POLITICAL PARTY IN INDIA)
DATE:21/04/2020

SIXTH SEMESTER

PAPER 6-1	SUBJECT CODE Pol. Sc.-Core 13	CONTEMPORARY POLITICAL THEORY COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDITS 05+01
01.		Behavioralism and Post Behavioralism		
02.		Debate about the decline of Political Theory.		
03.		Nature and Revival of Political Theory.		
04.		Debate about the end of Ideology and its impact on Political Theory.		
05.		Theories of Democracy: Liberal, Elitist, Pluralist and Marxist.		
06.		Theory of Citizenship		
07.		Recent trends in Political Theory.		
08.		Theories of Political and Social Change.		

SIXTH SEMESTER

PAPER 6-2	SUBJECT CODE Pol. Sc.- Core - 14	COMPARATIVE POLITICAL ANALYSIS COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDITS 05+01
01.		Constitution and Constitutionalism.		
02.		Separation of Power: Theory and Practice		
03.		Political Party and Party systems- Britain, USA, France, Switzerland and China.		
04.		Interest Group - Britain, USA, France, Switzerland and China.		
05.		Pressure Groups- Britain, USA, France, Switzerland and China.		
06.		Public Opinion- Britain, USA, France, Switzerland and China.		
07.		Socio economic bases of the Constitution- Britain, USA, France, Switzerland and China.		
08.		Decline of Legislature.		

SIXTH SEMESTER

PAPER 6-3(A)	SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-3 (A)	FOREIGN POLICY OF MAJOR POWERS COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDIT 05+01
01.	Foreign policy: Meaning and determinants.			
02.	Major Powers: Meaning and determinants.			
03.	Major issues in US foreign policy in Post-Cold war period.			
04.	Major issues in foreign policy of France in Post-Cold war period.			
05.	Major issues in foreign policy of Russia in Post-Cold war period.			
06.	Major issues in foreign policy of China in Post-Cold war period.			

SIXTH SEMESTER.

PAPER 6-3(B)	SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-3 (B)	POLITICAL PARTY IN INDIA COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDIT 05+01
01.	Political Party: nature and Types.			
02.	Establishment of the Indian National Congress and development of the Congress System.			
03.	Nature of Party System in post-independent India.			
04.	National Political Parties: Congress and BJP			
05.	Regional political parties of Jharkhand.			
06.	Political parties and electoral process			

SIXTH SEMESTER

SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-4 (A)	INDIA'S FOREIGN POLICY COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO CR 05
	Foreign policy: major approaches to the study of India's foreign policy.		
	Principles and objectives of India's foreign policy.		
	Determinants of India's foreign policy.		
	India's policy towards her neighbours: China and Pakistan		
	India's approach towards major global issues: globalization and cross border terrorism.		
	Indian foreign policy with respect to USA and Russia.		

SIXTH SEMESTER

SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-4 (B)	FEDERALISM IN INDIA COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO CR 05
	Federalism in India: Evolution and Nature.		
	Centre-state relations with reference to Emergency and Financial Powers		
	Demand of State Autonomy.		
	Sarkaria Commission report: An analysis.		
	Inter-State Councils		
	Regional parties and their impact on federal process.		
	Recent Trends and Prospects.		

(General and Pass Course)

SIXTH SEMESTER

SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-2(A)	INTERNATIONAL ORGANIZATION COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDIT 06
01.	The nature and evolution of International Organization.		
02.	The United Nations: Nature, Structure and Functions.		
03.	Special Agencies of UN: WHO, IMF, UNESCO and WTO		
04.	The UN and the World Peace.		
05.	Politics of restructuring UNO.		
06.	Regional Organisation: nature and types.		
07.	EU, OPEC and G8		
08.	SAARC, IORARC and ASEAN		

SIXTH SEMESTER

SUBJECT CODE Pol. Sc.- DSE-2 (B)	DEMOCRACY IN INDIA COURSE CONTENT	TEACHING HOURS 90 Credit Hours	NO OF CREDIT 06
01.	Democratic thinking and process in ancient India.		
02.	Democratic thinking in modern India.		
03.	Nature of Indian Democracy.		
04.	Process of Indian Democracy: Party System and Interest Group.		
05.	Indian Democracy at the grass roots level: Democratic Decentralization.		
06.	Parliamentary Vs Presidential Model.		
07.	Role of Women in the Political Process.		
08.	Socio-economic determinants of Indian Democracy: Caste, Language, Region and Religion		

DSC-III (Group B) भारत में राजनीतिक दल
 Professor-A.K. Srivastava (Political party in India)
 HOD - Political Science, Vasthapi Mahavidyalaya (Bardoli) (1)

1. राजनीतिक दलों से क्या समझते हैं? इनके आधारभूत तत्वों की विवेचना करें।
 राजनीतिक दल प्रजातंत्र के सर्वाधिक तत्व हैं। ये वस्तुतः लोकतंत्र के प्राण हैं। इनके अध्ययन के बिना प्रजातंत्र का अध्ययन अधूरा समझा जाता है। राजनीतिक दलों के संगठन एवं कार्य - प्रणाली को समझने बिना किसी भी राज्य में प्रजातंत्र के व्यावहारिक दायित्व या स्वल्प को समझा नहीं जा सकता। इनके बिना सिद्धांतों का प्रकीर्ण प्रकटीकरण, नीति व्यवस्थित चुनावों का होना संभव नहीं है। ये राष्ट्र के हिमाग को तराजू एवं जीवित रखते हैं तथा प्रशासन को क्रमवद्धता प्रदान करते हैं।

राजनीतिक दल - परिभाषा एवं अर्थ

राजनीतिक दलों के अध्ययन के सिलसिले में अनेक अर्थ एवं परिभाषा को जान लेना आवश्यक है। राजनीतिक दल उस संगठित मानव - समूह को कहते हैं जो समान राजनीतिक उद्देश्य रखकर अपने देश का शासन पर शांतिमय एवं वैध तरीकों से आधिपत्य जमाना चाहता है। विद्वानों द्वारा प्रस्तुत इसकी प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं -

एसमंड बर्क (E. Burke) - "राजनीतिक दल उन मनुष्यों को समूह है, जो कुछ सिद्धांतों के आधार पर जिनसे वे सहमत हैं अपने सार्वभौमिक प्रभुओं से राष्ट्रीय हित की भाँति खेद के लिए सहमत रहते हैं।"

(political party is a body of men united for promoting by their joint endeavours the national interest, upon some particular principle in which they are all agreed.)

गिज़ार्डस (Gizardus) (archivist) - "राजनीतिक दल

ऐसे नागरिकों का संगठित दल है जो समान राजनीतिक विचारों में विश्वास की घोषणा करते हैं तथा जो एक राजनीतिक इकाई के रूप में सरकार पर नियंत्रण का प्रयास करते हैं।"

(A political party may thus be defined as an organised group of citizens who profess to share the same political view and who by acting as a political unit, try to control the government.)

मैक्स वेबर - "राजनीतिक दल सूचेष्टा से बनाया हुआ वह संगठन है जो शासन शक्ति अपने हाथ में लेना चाहता है और उसे हस्तगत करने के लिए वह चुनाव और भौतिक का सहारा लेता है। शासन शक्ति अपने हाथ में लेने के पीछे एक उद्देश्य हो सकता है, जो या तो बसंत-निष्ठ लक्ष्य की प्राप्ति हो या व्यक्तिगत स्वार्थ हो या दोनों हो।"

मैकाइवर (MacIver) - "राजनीतिक दल ऐसे सिद्धांतों एवं नीतियों के समर्थन में संगठित संघ है जिन्हें वह सांविधानिक साधनों से सरकार का आधार बनाने के लिए प्रयत्नशील है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि राजनीतिक दल नागरिकों का ऐसा समूह है जो सार्वजनिक प्रश्नों पर समान विचार रखते हैं तथा जो राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते हुए अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए सांविधानिक तरीकों से शासन शक्ति को हस्तगत करना चाहते हैं।

राजनीतिक दल के आधारभूत तत्व -

राजनीतिक दल की उपर्युक्त परिभाषाओं एवं विवरण से यह निष्कर्ष निकलता है कि इसके आधारभूत तत्व निम्नलिखित हैं -

संलग्न नागरिकों की सहस्यता
राष्ट्रीय हित का ध्यान

ज्ञान
प्रशिक्षण
संगठन
आकार

- 11.) पैम और प्रभाव
- 12.) व्यक्ति आकर्षण
- 13.) विश्वास

संज्ञा

वक्तव्य

आर्थिक साधन

शास्त्रात्मक पर नियंत्रण

- 1.) सज्जग नागरिकों की सहस्यता :- सज्जग नागरिकों की सहस्यता राजनीतिक दलों का प्रमुख आधारभूत तत्व है। नागरिक ही अपने सिद्धांतों एवं नीतियों के अनुसार शासन संचालन के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों का निर्माण करते हैं। सज्जग नागरिकों से तात्पर्य उन लोगों से है जो किसी न किसी सिद्धांत में विश्वास रखते हैं, संगठन कायम करने या रखने की इच्छा और हमला रखते हैं तथा अपने को संगठित कर शासन - संचालन में भाग लेने की इच्छा रखते हैं।
- 2.) राष्ट्रीय हित का ध्यान :- राजनीतिक दलों का उद्देश्य राष्ट्रीय हित होना चाहिए। उनके सिद्धांत, नीतियाँ एवं कार्यों द्वारा समग्र राष्ट्र के हित को प्राप्त मिलना चाहिए। जो राष्ट्रीय हित में व्यापक प्रतिक्रिया नहीं अपनाते हैं, उन्हें अपनी लोकप्रियता खो देनी होगी।
- 3.) ज्ञान :- प्रथम तत्त्व ज्ञान है। ज्ञान अपने साक्षात्कारण, भर्ष में व्यक्ति को अपने लक्ष्यों को पुनः प्रबंधित करने और मिलान की योग्यता प्रदान करता है। ज्ञान द्वारा व्यक्ति की पहचान करता है। जो इस प्रकार संचालित किया जाता है कि वे व्यक्ति का साधन बन सकें। व्यक्ति के व्यक्तित्व का गुण, उसकी इच्छा-शक्ति, उसकी सहन-शक्ति, उसकी इच्छा-को अभिव्यक्त करने की शक्ति आदि

विभिन्न तत्त्व शक्ति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। इन तत्वों में से किसी भी एक की कमी शक्ति के समस्त रूप को अकार्यकुशल बना सकती है और पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

प्राप्तियाँ :- ज्ञान तत्त्व का भौतिक ज्ञान है। इसके भौतिक शक्ति का निर्धारण प्रमुख है। साधारण जीवन-चाल के भौतिक इसे ही आर्थिक शक्ति का नाम दिया जा सकता है। प्राप्तियों के भौतिक भौतिक सामग्री, स्वामित्व एवं सामाजिक

प्राप्तियाँ :- ज्ञान तत्त्व का भौतिक ज्ञान है। इसके भौतिक शक्ति का निर्धारण करने वाले बाहरी तत्व भी होते हैं, जिनमें प्राप्तियाँ सर्वाधिक प्रमुख हैं। साधारण जीवन-चाल के भौतिक इसे ही आर्थिक शक्ति का नाम दिया जा सकता है। प्राप्तियों के भौतिक भौतिक सामग्री, स्वामित्व एवं सामाजिक सामग्री की शक्ति, एक व्यक्ति को समाज में प्राप्त स्थिति और स्तर आदि को सम्मिलित किया जा सकता है। प्राप्तियाँ या संपत्ति शक्ति का एक ज्ञान अवश्य है, लेकिन न तो यह एकमात्र ज्ञान है और न ही निश्चित रूप से समाज का एक ज्ञान अवश्य है, लेकिन डालने वाला ज्ञान। बिना संपत्ति के भी एक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के कार्यों को प्रभावित कर सकता है और संपत्ति के होने पर भी आवश्यक नहीं है कि वह दूसरों के कार्यों को प्रभावित कर सकेगा।

5.) संगठन :- संगठन अपने आप में शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। कहावत भी है कि 'संगठन ही शक्ति है' (Unity is strength)। विभिन्न सतिव्यक्तिपूर्ण संस्थाओं को आपस में मिलकर संघ बना देता है, तो उनकी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। आधुनिक युग के मजदूर संघ तथा व्यापारिक संघ इसके उदाहरण हैं। शक्ति की दृष्टि से सबसे बड़ा संघ स्पष्टतया राज्य ही है और इसका एक प्रमुख कारण राज्य का सर्वाधिक संगठित स्वरूप ही है।

6.) आकार :- अनेक बार आकार को शक्ति का परिचायक मान लिया जाता है और यह सोचा जाता है कि एक संगठन का जितना बड़ा आकार होगा, उसके द्वारा कृषि ही अधिक शक्ति का परिचय दिया जा सकेगा। आकार के साथ यदि संगठन का मेल हो, तो ऐसा होता भी है, लेकिन सभी परिस्थितियों में ऐसा नहीं होता। अनेक बार ऐसा भी होता है कि उसका बड़ा आकार उसे उल्टा दे, परिस्थितियों के अनुकूल न रहने के कारण अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों द्वारा अपने आकार (power) का आभास लिया जाता है।

- 3.) सत्ता :- शक्ति की तीसरी महत्वपूर्ण भौत सत्ता। बिना तत्वों के कारण शक्ति अधिक शक्तिशाली बनती है। हम उसे सत्ता कहते हैं।
- 8.) बल संयोग :- बल संयोग भी शक्ति का एक भौत है। बल के संयोग द्वारा प्रतिक्रियाओं को रोका जा सकता है।
- 9.) आर्थिक साधन :- आर्थिक साधन भी शक्ति का एक भौत है, क्योंकि इसका संयोग कर विभिन्न लोगों को अपने प्रभाव में लाया जा सकता है। राजनेता इसके पुरिष्ठ अशिक्ति बनने का मत खरीद लेते हैं।
- 10.) शास्त्रास्त्रों पर नियंत्रण :- कोई व्यक्ति किसी दूसरे पर नियंत्रण इसलिए पा जाता है कि उसके पास शास्त्रास्त्र है। जिससे लोक लोग डर जाते हैं।
- 11.) प्रेम प्रेम और प्रभाव :- शक्ति की अभिव्यक्ति केवल ताकत या प्रत्याश दबाव के माध्यम से ही नहीं होती बरन् प्रेम का प्रभाव के सहजिन से भी होती है। प्रेम और प्रभाव से बड़ी-बड़ी शक्तियाँ को झुकाया जा सकता है। जैसे - महत्मा गांधी ने अपने प्रेम और प्रभाव से अंग्रेजों को झुका दिया।
- 12.) व्यक्ति आकर्षण :- कभी-कभी व्यक्ति विशेष का आकर्षण भी शक्ति का भौत बन जाता

हैं जैसे - भारतवासी महात्मा गाँधी और सभी सुभाष-चंद्र बोस को याद करूँ मैं सिर्फ शक्ति भावित करत हूँ, वरन् अपने को अनुशासित भी करत हूँ।

13.) विश्वास :- शक्ति का एक अन्य महत्वपूर्ण ज्ञान विश्वास है।

शक्ति के ज्ञान एवं आधार के रूप में विश्वास का भी पथान महत्व है। तत्त्वज्ञान की शक्ति में अंतिम रूप से विश्वास पर ही आधारित होती है। शक्ति का एक अन्य ज्ञान सत्ता होती है। शक्ति के महानग, इस बात से निश्चय की जाती है कि वह मानव मस्तिष्क पर प्रभाव डालने में कितनी सक्षम है। डॉ. मेकारवर ने शक्ति के इन विभिन्न तत्वों को वर्णित करने के बाद कहा है कि शक्ति का कार्य कुशलता से उन विभिन्न परिस्थितियों के द्वारा बढ़ती या कम होती रहती है, जिनके अन्तर्गत उसे कार्य करना है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर निबंध लिखें।
1885 में जिस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई थी, स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस में सभी विचारधारा वाले व्यक्ति सम्मिलित थे और स्वतंत्रता के बाद भी राष्ट्रीय कांग्रेस का वह स्वरूप बना रहा। सन् 1948 में महात्मा गांधी तथा 1950 ई. में सरकार पद के हे देहावसान के बाद कांग्रेस पर पं. नेहरू का दृढ़तम नेतृत्व स्थापित हो गया। 1964 में पं. नेहरू के निधन के बाद भी कांग्रेस ही भारत का सर्वोच्च दल बना रहा। 1969 में कांग्रेस का दो दलों - सत्ता कांग्रेस और संगठन कांग्रेस में विभाजन हुआ। संगठन कांग्रेस की शक्ति में उत्तरोत्तर कमी होती चली गई। 1978 में पुनः कांग्रेस दो दलों - इंडी कांग्रेस और इंडिरा कांग्रेस में विभाजित हो गई। यह विभाजन किन्हीं सिंहदरों पर आधारित नहीं था। कालांतर में इंडिरा कांग्रेस ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उत्तराधिकारी के रूप में प्रतिष्ठित हुई। 1994 में इंडिरा ने पुनः वैधानिक रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का नाम को धारण कर लिया।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस : नीति तथा कार्यक्रम :- 1977-79 तथा 1989-90 के भ्रष्टाचार स्वरोप समय को छोड़कर कांग्रेस 1996 के मुख्य तक भारत का शासक दल रहा है, लेकिन 11वीं लोकसभा - चुनावों (1996) में कांग्रेस ने सत्ता खो दी और 12वीं लोकसभा के चुनावों में कांग्रेस दल की शक्ति में और कमी हुई। 1998 में भारत

2004 तक कांग्रेस भारत का मुख्य विपक्षी दल था। 14वीं लोकसभा चुनावों के आधार पर कांग्रेस ने लोकसभा के सबसे बड़े दल और कांग्रेस गठबंधन में सबसे बड़े गठबंधन की स्थिति प्राप्त कर स्थायी प्राप्त कर ली। 15वीं लोकसभा चुनाव के बाद (मई 2009) में पुनः डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 'संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन' सरकार का गठन हुआ।

15वीं लोकसभा के चुनाव और कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र : 2009 मई में चुनावों में कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को पुनः अपना उम्मीदवार घोषित किया। घोषणा-पत्र के अनुसार वे एक ईमानदार, बुद्धिमान और ठोस निर्णय देने वाले प्रधानमंत्री हैं, जिनके नेतृत्व की जान और अनुभव की भाव राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में पहले से बहुत ज्यादा परिलक्षित है। यह भी कहा गया है कि कांग्रेस प्रधानमंत्री पद के लिए डॉ. मनमोहन सिंह के नाम और 'न्यूक्लीयर डील' पर कोई समझौता नहीं करेगी। 2004-09 के शासनकाल में सबसे प्रमुख उपलब्धियाँ बताई गईं। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार सुरक्षा गारंटी योजना, 65,000 करोड़ रु० का राष्ट्रीय कृषि सशक्तिकरण माफ़ी कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, सर्वशिक्षा अभियान और मध्याह्न भोजन व्यवस्था, महिला-अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक अर्थात् समस्त कमजोर वर्गों

के सशक्तिकरण हेतु बनाए गए कानून कार्यक्रम और कार्य देश की सुरक्षा की रक्षा और प्रतिष्ठा में वृद्धि, आणविक समझौता और भारत की नई वैश्विक पहचान आदि। घोषणा - पत्र में इस बात पर बल दिया गया कि 'कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जिसके पास अखिल भारतीय दृष्टि है और जिसकी देश भर में मौजूदगी है।'

भविष्य की राह (2009-14) के रूप में घोषणा - पत्र के कुछ अति बिंदु निम्न प्रकार हैं :

- 1) आतंकवाद को बिल्कुल वर्दीशत न करना, सुनिश्चित करेंगे तथा देश की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के सभी संभव समान किये जाएंगे।
- 2) 2011 तक सभी नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान - पत्र देना सुनिश्चित करेंगे।
- 3) राष्ट्रीय आमीन रोजगार सुरक्षा गारंटी योजना के क्रियान्वयन की सभी कमियाँ दूर की जाएंगी।
- 4) ऐसा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम बनाया जाएगा, जिससे सभी लोगों को 'पर्याप्त भोजन के अधिकार' की गारंटी मिले। इस दृष्टि से गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले प्रत्येक परिवार को कानून प्रति मुद्दे 3 रू० प्रति कि०मी की दूर से 25 कि०मी गेहूँ या चावल प्राप्त करने की हमता प्राप्त होगी।

5.) देश के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा गारंटी।

6.) युवके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा - उच्च शिक्षा के लिए बच्चीका या शिक्षा लक्ष्य।

7.) उच्च शिक्षा - आई. आई. टी, आई. आई. एम आदि संस्थाओं का व्यापक विस्तार।

8.) भारत पाँच वर्षों तक प्रत्येक ब्लॉक, हर वर्ष एक नए भादरा विद्यालय की स्थापना।

9.) शिक्षकों के लिए एक बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कूलों की सुविधाओं में सुधार।

10.) किसानों के लिए - सीमांत किसानों को कम व्यापक दरों पर बैंक, कर्ज, कृषि, विविधीकरण, आगीत उद्योगीकरण, न्यूनतम समर्थन कीमत और किसानों के दरवाजे पर सरकारी रस्क खरीद।

11.) समाज के सभी कमजोर वर्गों के सुशक्तिकरण को और ज्यादा प्रोत्साहन देंगे।

12.) सुनिश्चित करेंगे कि आगीत महिलाओं को कम से कम भादवी भादवी बैंकों से जुड़े और स्व सहायता समूहों की सदस्य बनें।

13.) बच्चों की विशेष जरूरतों, खासकर लड़कियों पर अविशेष ध्यान देंगे। लिंगानुपात सुधारने

के लिए तालिकाओं को नगद लाभ और विशेष सुविधाएँ।

14) छोटे उद्यमियों और लघु तथा मझले उद्यमों पर विशेष ध्यान देंगे।

15) महंगाई पर नियंत्रण के साथ उच्च आर्थिक विकास दर पर ध्यान देना जारी रखेंगे।

16) 1 अप्रैल 2010 से वस्तु और सेवाकर शुरू करेंगे।

17) युवाओं के लिए नए अवसर, न्यायिक विवाद दूर करने के लिए न्यायिक सुधार, विपथी उत्पादन में भारी वृद्धि, विकास में प्रवासी भारतीयों को शामिल करने और सामाजिक आर्थिक वकलाव का संकल्पना व्यक्त किया गया है।

18) सामूहिक सद्भाव, विविधता में एकता को बनाए रखने, सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक वृद्धि की बात कही गई है। कांग्रेस का लक्ष्य है 'समावेशी विकास' (Inclusive Growth) समस्त जनता का विकास।

इन सबके अतिरिक्त लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण, इस विधेयक पारित करने की बात को दोहराया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का संगठनात्मक ढाँचा :- कांग्रेस के संगठन का ढाँचा कम से कम दिखावे में पूर्णतः पूर्ण जनवादी है तथा इसकी इकाईयाँ देश के सर्वोच्च क्षेत्र में विस्तृत हैं। कांग्रेस की सदस्यता दो प्रकार की है - प्राथमिक और सक्रिय। कम से कम 18 वर्ष की आयु वाला कोई भी व्यक्ति जो कांग्रेस के उद्देश्यों में भाग ले रहा है, कांग्रेस का सदस्य बन सकता है, चाहे वह किसी अन्य दल का सदस्य न हो। वह व्यक्ति जो दो वर्षों तक लगातार कांग्रेस का प्राथमिक सदस्य रहे चुका है तथा जिसकी आयु कम से कम 21 वर्ष है, 100 रुपये का नया देकर अपना 25 प्राथमिक सदस्यों की भर्ती करके कांग्रेस की सक्रिय सदस्यता प्राप्त कर सकता है। कांग्रेस का अध्यक्ष तथा उसकी कार्यकारिणी भाषित भारतीय कांग्रेस समिति के प्रति उत्तरदायी होते हैं। जिनके सदस्य प्रांतीय कांग्रेस समितियों द्वारा निर्वाचित होते हैं। केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति कांग्रेस का सर्वोच्च अंग तथा सर्वोच्च नीति निर्णय समिति है। दिसम्बर 1998 में किए गए संशोधन के अनुसार अब केंद्रीय मंडल तथा चुनाव समिति में अब 9 सदस्य होंगे। कांग्रेस संसद तथा राज्यों के विधानमंडलों के लिए उम्मीदवार का चयन करती है। चुनाव कांग्रेस को संसदीय मंडल स्तर के संसदीय कार्यों को निर्देशन करता है।

तथा इसकी निर्वाचन समिति पूरा।
तथा राज्यों के विधानमंडलों के लिए
उम्मीदवार का चयन करती है। युवक
काँग्रेस, महिला काँग्रेस और काँग्रेस
सेवा दल इसके सम्बद्ध संगठन हैं।
मजदूर आंदोलन के क्षेत्र में काँग्रेस के
सहयोगी संगठन के रूप में 'इण्टक'
(INTUC - Indian National Trade Union
Congress) कार्य करती है, जिसकी
कुल सदस्यता लगभग 10
लाख है।

- दिसंबर 1998 में पार्टी संविधान में
संशोधन कर निम्न दो नए व्यवस्थाएँ
की गई हैं -
- 1) पार्टी पक्ष में 33 प्रतिशत स्थान महिलाओं
के लिए तथा कम से कम 20 प्रतिशत
स्थान कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित होंगे।
 - 2) सभी स्तर की काँग्रेस समितियों का कार्यकाल
दो वर्ष से बढ़कर तीन वर्ष कर दिया गया
है।

1998 में सोनिया गाँधी काँग्रेस
अध्यक्ष के पद पर आसीन हुईं तथा 2000
ई. में और 2003 ई. तथा 2006 ई. में वे
इस पद पर पुनर्निर्वाचित हुई हैं। तीन
वर्षों से राहुल गाँधी दल के
महासचिव हैं। 15 वीं लोकसभा के
चुनावों में राहुल गाँधी ने सबसे
अधिक महत्वपूर्ण भूमिका दल के
अध्यक्ष की चुनना में भी अधिक

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके भारतीय
 अनुभव तथा अनुभव परिणामों से भारतीय
 राष्ट्रिय कार्यक्रमों और देश की समीक्ष्य
 राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्रिय गारंटी
 राजनीतिक कदमों को निश्चित रूप
 से वह दिया है। हम इसके समर्थ
 हैं, विशेषतः 1984-2009 के वर्ष
 में, कार्यक्रमों की क्रिया की प्रतिक्रिया
 में भारी परिवर्तन आया है। अतः
 कार्यक्रमों की प्रतिक्रिया कार्यक्रमों के
 परिणाम में भी की जाये।

3. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के महत्त्व का वर्णन करें।

—) औद्योगिक युग में दलीय पद्धति समाप्त के लिए प्राणवायु के समान है। औद्योगिक लोकतंत्रीय शासन में राजनीतिक दलों के अभ्युत्थित कार्य है —

- 1.) राजनीतिक चेतना को प्रचारित करना
- 2.) राज्य की आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याओं का जनता को ज्ञान कराना,
- 3.) शासन सत्ता को मर्यादित करना
- 4.) शासन तंत्र के अधिकार की सुरक्षा,
- 5.) कार्यपालिका और व्यवस्थापिका में सामंजस्य स्थापित करना
- 6.) व्यवस्थापिका के सदस्यों में एकता एवं ऐक्यता
- 7.) निर्वचनों में संपर्क बनाना,
- 8.) सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नयन के लिए कार्य करना
- 9.) सरकारी कर्मचारी का निर्वाचन,

DSE 111 (Group B) भारत में राजनीतिक दल
Professor - A.K. Srivastava Political party in India classmate
HOD - Political Science with Visthapit Mahavidyalaya (Balidih) 2

- 10) जनता को राजनीतिक शिक्षण प्रदान करना,
- 11) जनमत का निर्माण करना,
- 12) चुनावों का संचालन करना,
- 13) सरकार तथा वैकल्पिक सरकार निर्माण।

1) राजनीतिक चेतना का प्रचार :- राजनीतिक दल समय-समय पर सार्वजनिक सभाओं में भाषण देकर रेडियो, टेलीविजन के माध्यम से प्रसारण करके, पत्र-पत्रिकाओं द्वारा प्रचार करके, राजनीतिक प्रश्नों पर जनता की चेतना जागाने का कार्य करते हैं। चुनाव के समय दल अपने-अपने घोषणा-पत्रों के माध्यम से, अपनी नीतियों के माध्यम से जनता को अपने पक्ष में करने का प्रयास करते हैं। जनता उन सबके बारे में सोच-समझकर निर्णय करती है कि कौन-सा दल और उसकी नीतियाँ उचित हैं। लोवेल (Lowell) राजनीतिक दलों को विचारों के दलाल (Brokers of Ideas) कहता है।

राज्य की आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याओं को जनता को ज्ञान कराना :- जनसाधारण के लोग अपने राज्य की आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याओं को समझने में असमर्थ होते हैं। इसका कारण यह है कि उन्हें अपने दैनिक जीवन की समस्याओं को रसोई का नही मिलता था या वे इतने परिपक्व विचारों के नही होते कि उन्हें समझ सकें या उनके साधन सीमित हों या उनमें इसका प्रति रुचि न हो। राजनीतिक दल जनता को

आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक समस्याओं से भ्रष्टाचार करता है और जनता का ध्यान उन पर लाकर जनता का सहयोग चाहता है।

3) शासन सत्ता को मर्यादित करना :- शासक दल कहीं अपने बहुमत के आधार पर सरकार की शक्तियाँ और धन का उपयोग न करे, जनता के हितों की उपेक्षा न करे, तानाशाही एवं दमन न करे, इन सब कारणों से विरोधी राजनीतिक दल सरकार पर अंकुश लगाकर उसे मर्यादा में रखना चाहते हैं, यदि सत्ता दल फिर भी न माने तो विरोधी दल सत्ता पक्ष के विरोध में आंदोलन चलाते हैं, जनमत जगाते हैं, जलन भरते हैं, सभाएँ करते हैं जिससे सत्तापक्ष दल मर्यादा में रहे।

4) शासन तंत्र का अधिकार की चेष्टा :- राजनीतिक दल निर्वाचनों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। दल निर्वाचनों में अपने अधिकार से अधिक प्रतिनिधि खड़े करते हैं। प्रतिनिधि अपने योग्यता अनुसार चुनावों में संचार बहुमत बनाना होता है। बहुमत वाला दल ही सरकार बनाता है। बहुमत वाला दल भाकर अपनी नीतियों को अंतः शासन में करना चाहते हैं। इस प्रकार प्रत्येक राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य शासन तंत्र पर अपना अधिकार करना होता है।

5) कार्यपालिका और व्यवस्थापिका में सामंजस्य स्थापित करना :- सरकार एक सावधान के समान होती है। इसकी सफलता के लिए व्यवस्थापिका और कार्यपालिका में सामंजस्य होना बहुत आवश्यक है। अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में व्यक्ति विभाजन होने से व्यवस्थापिका और कार्यपालिका में दो दल भिन्न - भिन्न प्रभावी हो सकते हैं लेकिन संसदों सहस्यी शासन-प्रणाली में व्यवस्थापिका और कार्यपालिका दोनों में एक ही दल प्रभावी होता है, इसलिए दोनों में सामंजस्य होना अनिवार्य है।

6) व्यवस्थापिका के सदस्यों में एकता एवं संगठन-राजनीतिक दलों के कारण ही व्यवस्थापिका में सदस्यों के बीच एकता तथा संगठन स्थापित रहता है। व्यवस्थापिका में दल के संचेतक (whips) होते हैं जो समय-समय पर अपने सदस्यों को दल की नीतियों के समुपान के लिए संचेत करते रहते हैं। अपने दल की नीति के विरुद्ध कार्य करने वाले सदस्यों के विरुद्ध कार्य करने वाले सदस्य राजनीतिक अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है। इस प्रकार राजनीतिक दल व्यवस्थापिका में अपने सदस्यों के बीच संगठन स्थापित करते हैं।

7) निर्वाचकों से संपर्क बनाना :- राजनीतिक दल जनता और सरकार के मध्य कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। ये दल जनता की शिकायतों, शासनतंत्र की ज्यादतियों,

लापरवाहियों, भ्रष्टाचारों को सरकार तक पहुँचाते हैं। सरकार का ह्योन भावुक करके सरकार का उत्तर जनता तक पहुँचाते हैं। विरोधी दलों की जागरूकता और लगातार की आलोचना करने से सरकार पबश्व नही हो पाती है।

8.) सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए कार्य करना :- राजनीतिक दल समय - समय पर देश में सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए भी कार्य करते हैं। वे सामाजिक कुरीतियों तथा बुराइयों की आलोचना करके तथा देश में राजनीतिक और सांस्कृतिक कुरीतियों की स्थापना करके सांस्कृतिक विकास में सहायता करते हैं। भारत में दलों ने हरिजनोद्धार, अस्पृश्यता का भौत, जमींदारी-उन्मूलन, भूमि-वितरण आदि भी सहयोग दिया है।

9.) सरकारी कर्मचारी का निर्वाचन :- राजनीतिक दल योग्य और कुशल व्यक्तियों को प्रशासन में लाने का प्रयास करते हैं। निर्वाचन में चुने हुए व्यक्ति होते हैं। सार्वजनिक पदों पर होते हैं जिससे प्रशासन में कुशलता आती है जिससे हितों की पूर्ति में दल सहायता करते हैं। राष्ट्रीय प्रजातंत्र में दल के प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं दल के जवाब है। मुख्यमंत्री प्रशासन राष्ट्रपति का प्रशासन में भी दल सहायता करते हैं।

10) जनता को राजनीतिक शिक्षण प्रदान करना :- प्रजातंत्र में जनता को राजनीतिक शिक्षण प्रदान करते हैं। वे जनता का स्थान सार्वजनिक स्थलों एवं समस्याओं की ओर आकर्षित करते हैं। समा, भाषाविज्ञान, पत्र-पत्रिका, रेडियो, टेलीविजन आदि के द्वारा वे जनता में राजनीतिक जागरण उत्पन्न करते हैं। राजनीतिक दल संसद में प्रश्न करके पुलवस्तु, भांडोलन आदि का भी सहारा लेते हैं जिसमें जनता भी सहयोग करती है।

11) जनमत का निर्माण करना :- आधुनिक काल में राज्य की समस्याएँ बहुत जटिल होती जा रही हैं। जन-साधारण व्यक्ति उन्हें आसानी से नहीं समझ सकता है। राजनीतिक दल ही ऐसे प्रश्नों को जनता तक पहुँचाते हैं। राष्ट्रीय दृष्टिकोण के पक्ष में जनमत बनाना भी दलों का काम है।

मैकाइवर ने कहा है कि - "राजनीतिक दल के अभिकरण हैं जिनके माध्यम से सार्वजनिक राय की सार्वजनिक नीति में परिवर्तित किया जाता है।"

12) चुनावों का संचालन करना :- आधुनिक प्रजातंत्र के युग में सार्वभौम व्यवस्था में अधिकार से मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक होती है। ऐसी अवस्था में अकेला व्यक्ति चुनाव लड़ने में असमर्थ होता है क्योंकि कि धन और कार्यक्षमताओं के अभाव

मे वह अपना परिचय अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं तक नहीं पहुँचा सकता है। आज स्वतंत्र और निर्दलीय उम्मीदवार वही खड़े होते हैं जिन्हें दल अपना टिकट नहीं देते हैं। इसलिए उनकी संख्या जनता में कम होती है।

डॉ. फाइनर के मतानुसार "राजनीतिक दलों के बिना निर्वाचन या तो निर्वात असहाय हो जाँदें या उनके द्वारा असंभव नीतियों को अपनाकर राजनीतिक यंत्र को ही नष्ट कर दिया जाएगा।"

- 13.) सरकार तथा वैकल्पिक सरकार निर्माण निर्वाचनों में जो दल बहुमत में आता है वह सरकार बनाता है और जो दल अल्पमत में होता है वह विरोधी दल कहलाता है। संसदीय तंत्र में बहुमत दल का नेता प्रधानमंत्री होता है और उसका अपना मंत्रीमंडल होता है जबकि विरोधी दल का नेता विपक्ष का नेता और उसका हाथ मंत्रीमंडल होता है, जो विकल्प के लिए होता है कि यदि कभी बहुमत दल की सरकार गिर जाए और उसके सदस्य विपक्ष की पार्टी से भागकर सरकार बना सकें।

प्रजातंत्र में राजनीतिक दल का महत्व विशेष रहता है। वास्तव में राजनीतिक दल प्रजातंत्र में शाखायुक्त के समान हैं। प्रजातांत्रिक शासन- व्यवस्था का स्वरूप प्रतिनिधिमूलक रहता है। इस प्रतिनिधियात्मक प्रजातांत्रिक व्यवस्था (Representative Democratic System) में जनता अपने प्रतिनिधियों का निर्वाचन राजनीतिक दलों के अभ्यर्थियों के बीच में ही करती है। संक्षेप में राजनीतिक दलों का प्रजातांत्रिक व्यवस्था में महत्व इस प्रकार समझा जा सकता है -

- 1) प्रजातांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों का निर्वाचन - प्रक्रिया में महत्वपूर्ण स्थान है। यह जनता तथा सरकार के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है। अपने प्रतिनिधियों के निर्वाचन द्वारा तथा प्रतिनिधियों के माध्यम से ही जनता द्वारा शासनकार्य - संचालन करने का दायित्व सौंपा जाता है। इस संपूर्ण प्रक्रिया में राजनीतिक दलों का होना अनिवार्य ही जाता है।
- 2) प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जनमत का निर्माण करने में राजनीतिक दल ही सहायक होते हैं। जनमत की अभिव्यक्ति शासन का जनता की मर्ज़ों के प्रति सचेत करके उसे इसके प्रति उत्तरदायी बनाती रहती है।
- 3) प्रजातांत्रिक व्यवस्था में केवल संतारण दल का ही महत्व नहीं है बल्कि विरोधी दल का रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जनता के समक्ष संतारण दल का विकल्प भी विरोधी दल के रहने के कारण सामने रहता है। संतारण दल की असफलता की स्थिति में

पंनता आगामी विधानसभा में विरोधी दल को सत्ता सौंप दे सकूँगी। इस कारण विरोधी दलों के रहने से सत्ता 1985 दल भी नियंत्रित, समर्थित और उत्तरदायी बना रहता है।

- 4) राजनीतिक दल पंनता में राजनीतिक चेतना बनाए रखने और उन्हें राजनीतिक परिष्करण देने का महत्वपूर्ण कार्य भी करते रहते हैं।

भारत के राजनीतिक दलों की विशेषताएँ

संघातीय दलों की ही भाँति भारत में भी संविधान द्वारा राजनीतिक दलों को तो कोई मान्यता नहीं दी गई है, किंतु संविधान में मौलिक अधिकारों के अंतर्गत विचार की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और संस्था बनाने का जो अधिकार है उसी के अंतर्गत राजनीतिक दलों का गठन किया जाता है। संविधान में भले ही औपचारिक रूप से राजनीतिक दलों की मान्यता नहीं दी गई है पर प्रत्यक्ष दृष्टि से भारत की राजनीति में राजनीतिक दल सक्रिय बने रहे हैं। इस संबंध में निम्न तथ्य भी महत्वपूर्ण हैं—

- 1) भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही अनेक राजनीतिक दल सक्रिय थे। किंतु 1985 ई. में दल - दल विरोधी कानून द्वारा ही संविधानिक दृष्टि से उन्हें मान्यता दी गई है।

9.) 1968 ई. में निर्वाचन आयोग ने चुनाव-चिह्न का आवंटन करने हेतु विभिन्न राजनीतिक दलों का उल्लेख किया था और उन दलों का भी उल्लेख किया था जिस आधार पर आयोग किसी राजनीतिक दल को मान्यता प्रदान करेगा।

भारतीय राजनीति में व्यवस्था के ये अनेक राजनीतिक दल सक्रिय रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा इन दलों के चुनाव चिह्न आवंटित किए जाते हैं, इसके अतिरिक्त अन्य किसी भी रूप में संवैधानिक और कानूनी व्यवस्था के अंग नहीं रहे हैं। 1985 ई. के दल-वदल निषेध कानून के पारित होने के साथ ही राजनीतिक दलों का वैधानिक मान्यता प्राप्त हो गई। संविधान, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता तथा लोकतंत्र के प्रति अपनी निष्ठा घोषित करना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही यह व्यवस्था की गई है कि जो भी राजनीतिक दल 15 जून 1989 ई. के बाद अस्तित्व में रहेगा, उन्हें 14 अगस्त 1989 ई. के पूर्व 'पंजीकृत' (Registered) होना आवश्यक है। जिन दलों 9 राष्ट्रीय दल, 38 राज्यस्तरीय दल और अनेक अमान्यता प्राप्त दल हैं।

9 राष्ट्रीय दलों में से वास्तव में 6 दल ही राष्ट्रीय स्तर के दल हैं - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, माकसवादी दल, भारतीय साम्यवादी दल, शेष लोममूत्र के राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियाँ हैं।

1234567891011121314151617181920212223242526272829303132333435363738394041424344454647484950515253545556575859606162636465666768697071727374757677787980818283848586878889909192939495969798991001011021031041051061071081091101111121131141151161171181191201211221231241251261271281291301311321331341351361371381391401411421431441451461471481491501511521531541551561571581591601611621631641651661671681691701711721731741751761771781791801811821831841851861871881891901911921931941951961971981992002012022032042052062072082092102112122132142152162172182192202212222232242252262272282292302312322332342352362372382392402412422432442452462472482492502512522532542552562572582592602612622632642652662672682692702712722732742752762772782792802812822832842852862872882892902912922932942952962972982993003013023033043053063073083093103113123133143153163173183193203213223233243253263273283293303313323333343353363373383393403413423433443453463473483493503513523533543553563573583593603613623633643653663673683693703713723733743753763773783793803813823833843853863873883893903913923933943953963973983994004014024034044054064074084094104114124134144154164174184194204214224234244254264274284294304314324334344354364374384394404414424434444454464474484494504514524534544554564574584594604614624634644654664674684694704714724734744754764774784794804814824834844854864874884894904914924934944954964974984995005015025035045055065075085095105115125135145155165175185195205215225235245255265275285295305315325335345355365375385395405415425435445455465475485495505515525535545555565575585595605615625635645655665675685695705715725735745755765775785795805815825835845855865875885895905915925935945955965975985996006016026036046056066076086096106116126136146156166176186196206216226236246256266276286296306316326336346356366376386396406416426436446456466476486496506516526536546556566576586596606616626636646656666676686696706716726736746756766776786796806816826836846856866876886896906916926936946956966976986997007017027037047057067077087097107117127137147157167177187197207217227237247257267277287297307317327337347357367377387397407417427437447457467477487497507517527537547557567577587597607617627637647657667677687697707717727737747757767777787797807817827837847857867877887897907917927937947957967977987998008018028038048058068078088098108118128138148158168178188198208218228238248258268278288298308318328338348358368378388398408418428438448458468478488498508518528538548558568578588598608618628638648658668678688698708718728738748758768778788798808818828838848858868878888898908918928938948958968978988999009019029039049059069079089099109119129139149159169179189199209219229239249259269279289299309319329339349359369379389399409419429439449459469479489499509519529539549559569579589599609619629639649659669679689699709719729739749759769779789799809819829839849859869879889899909919929939949959969979989991000100110021003100410051006100710081009101010111012101310141015101610171018101910201021102210231024102510261027102810291030103110321033103410351036103710381039104010411042104310441045104610471048104910501051105210531054105510561057105810591060106110621063106410651066106710681069107010711072107310741075107610771078107910801081108210831084108510861087108810891090109110921093109410951096109710981099110011011102110311041105110611071108110911101111111211131114111511161117111811191120112111221123112411251126112711281129113011311132113311341135113611371138113911401141114211431144114511461147114811491150115111521153115411551156115711581159116011611162116311641165116611671168116911701171117211731174117511761177117811791180118111821183118411851186118711881189119011911192119311941195119611971198119912001201120212031204120512061207120812091210121112121213121412151216121712181219122012211222122312241225122612271228122912301231123212331234123512361237123812391240124112421243124412451246124712481249125012511252125312541255125612571258125912601261126212631264126512661267126812691270127112721273127412751276127712781279128012811282128312841285128612871288128912901291129212931294129512961297129812991300130113021303130413051306130713081309131013111312131313141315131613171318131913201321132213231324132513261327132813291330133113321333133413351336133713381339134013411342134313441345134613471348134913501351135213531354135513561357135813591360136113621363136413651366136713681369137013711372137313741375137613771378137913801381138213831384138513861387138813891390139113921393139413951396139713981399140014011402140314041405140614071408140914101411141214131414141514161417141814191420142114221423142414251426142714281429143014311432143314341435143614371438143914401441144214431444144514461447144814491450145114521453145414551456145714581459146014611462146314641465146614671468146914701471147214731474147514761477147814791480148114821483148414851486148714881489149014911492149314941495149614971498149915001501150215031504150515061507150815091510151115121513151415151516151715181519152015211522152315241525152615271528152915301531153215331534153515361537153815391540154115421543154415451546154715481549155015511552155315541555155615571558155915601561156215631564156515661567156815691570157115721573157415751576157715781579158015811582158315841585158615871588158915901591159215931594159515961597159815991600160116021603160416051606160716081609161016111612161316141615161616171618161916201621162216231624162516261627162816291630163116321633163416351636163716381639164016411642164316441645164616471648164916501651165216531654165516561657165816591660166116621663166416651666166716681669167016711672167316741675167616771678167916801681168216831684168516861687168816891690169116921693169416951696169716981699170017011702170317041705170617071708170917101711171217131714171517161717171817191720172117221723172417251726172717281729173017311732173317341735173617371738173917401741174217431744174517461747174817491750175117521753175417551756175717581759176017611762176317641765176617671768176917701771177217731774177517761777177817791780178117821783178417851786178717881789179017911792179317941795179617971798179918001801180218031804180518061807180818091810181118121813181418151816181718181819182018211822182318241825182618271828182918301831183218331834183518361837183818391840184118421843184418451846184718481849185018511852185318541855185618571858185918601861186218631864186518661867186818691870187118721873187418751876187718781879188018811882188318841885188618871888188918901891189218931894189518961897189818991900190119021903190419051906190719081909191019111912191319141915191619171918191919201921192219231924192519261927192819291930193119321933193419351936193719381939194019411942194319441945194619471948194919501951195219531954195519561957195819591960196119621963196419651966196719681969197019711972197319741975197619771978197919801981198219831984198519861987198819891990199119921993199419951996199719981999200020012002200320042005200620072008200920102011201220132014201520162017201820192020202120222023202420252026202720282029203020312032203320342035203620372038203920402041204220432044204520462047204820492050205120522053205420552056205720582059206020612062206320642065206620672068206920702071207220732074207520762077207820792080208120822083208420852086208720882089209020912092209320942095209620972098209921002101210221032104210521062107210821092110211121122113211421152116211721182119212021212122212321242125212621272128212921302131213221332134213521362137213821392140214121422143214421452146214721482149215021512152215321542155215621572158215921602161216221632164216521662167216821692170217121722173217421752176217721782179218021812182218321842185218621872188218921902191219221932194219521962197219821992200220122022203220422052206220722082209221022112212221322142215221622172218221922202221222222232224222522262227222822292230223122322233223422352236223722382239224022412242224322442245224622472248224922502251225222532254225522562257225822592260226122622263226422652266226722682269227022712272227322742275227622772278227922802281228222832284228522862287228822892290229122922293229422952296229722982299230023012302230323042305230623072308230923102311231223132314231523162317231823192320232123222323232423252326232723282329233023312332233323342335233623372338233923402341234223432344234523462347234823492350235123522353235423552356235723582359236023612362236323642365236623672368236923702371237223732374237523762377237823792380238123822383238423852386238723882389239023912392239323942395239623972398239924002401240224032404240524062407240824092410241124122413241424152416241724182419242024212422242324242425242624272428242924302431243224332434243524362437243824392440244124422443244424452446244724482449245024512452245324542455245624572458245924602461246224632464246524662467246824692470247124722473247424752476247724782479248024812482248324842485248624872488248924902491249224932494249524962497249824992500250125022503250425052506250725082509251025112512251325142515251625172518251925202521252225232524252525262527252825292530253125322533253425352536253725382539254025412542254325442545254625472548254925502551255225532554255525562557255825592560256125622563256425652566256725682569257025712572257325742575257625772578257925802581258225832584258525862587258825892590259125922593259425952596259725982599260026012602260326042605260626072608260926102611261226132614261526162617261826192620262126222623262426252626262726282629263026312632263326342635263626372638263926402641264226432644264526462647264826492650265126522653265426552656265726582659266026612662266326642665266626672668266926702671267226732674267526762677267826792680268126822683268426852686268726882689269026912692269326942695269626972698269927002701270227032704270527062707270827092710271127122713271427152716271727182719272027212722272327242725272627272728272927302731273227332734273527362737273827392740274127422743274427452746274727482749275027512752275327542755275627572758275927602761276227632764276527662767276827692770277127722773277427752776277727782779278027812782278327842785278627872788278927902791279227932794279527962797279827992800280128022803280428052806280728082809281028112812281328142815281628172818281928202821282228232824282528262827282828292830283128322833283428352836283728382839284028412842284328442845284628472848284928502851285228532854285528562857285828592860286128622863286428652866286728682869287028712872287328742875287628772878287928802881288228832884288528862887288828892890289128922893289428952896289728982899290029012902290329042905290629072908290929102911291229132914291529162917291829192920292129222923292429252926292729282929293029312932293329342935293629372938293929402941294229432944294529462947294829492950295129522953295429552956295729582959296029612962296329642965296629672968296929702971297229732974297529762977297829792980298129822983298429852986298729882989299029912992299329942995299629972998299930003001300230033004300530063007300830093010301130123013301430153016301730183019302030213022302330243025302630273028302930303031303230333034303530363037303830393040304130423043304430453046304730483049305030513052305330543055305630573058305930603061306230633064306530663067306830693070307130723073307430753076307730783079308030813082308330843085308630873088308930903091309230933094309530963097309830993100310131023103310431053106310731083109311031113112311331143115311631173118311931203121312231233124312531263127312831293130313131323133313431353136313731383139314031413142314331443145314631473148314931503151315231533154315531563157315831593160316131623163316431653166316731683169317031713172317331743175317631773178317931803181318231833184318531863187318831893190319131923193319431953196319731983199320032013202320332043205320632073208320932103211321232133214321532163217321832193220322132223223322243225322632273228322932303231323232333234323532363237323832393240324132423243324432453246324732483249325032513252325332543255325632573258325932603261326232633264326532663267326832693270327132723273327432753276327732783279328032813282328332843285328632873288328932903291329232933294329532963297329832993300330133023303330433053306330733083309331033113312331333143315331633173318331933203321332233233324332533263327332833293330333133323333333433353336333733383339334033413342334333443345334633473348334933503351335233533354335533563357335833593360336133623363336433653

සමස්ත ලෝකයේ සිටින මනුෂ්‍යයන්ගේ මනස මත
මනුෂ්‍යයන්ගේ මනස මත මනස මත මනස මත

මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත

මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත

(Letter of Introduction)

මනස මත මනස මත මනස මත

මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත

මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත
මනස මත මනස මත මනස මත මනස මත

महत्वावधि अनुभव में देत - वल विद्यार्थियों को सभी शायों में कुल कितने मत मिले उसने सभी विशेषी दुर्गों को सम्मिलित रूप से भी नहीं मिले था।

1972 में विपक्षी दुर्गों के मिलन द्वारा जनता पार्टी का जन्म हुआ और कांग्रेस की शक्ति क्षीण हुई। वह सत्तासह दुर्ग से विशेषी दुर्ग बन गई। अतः 1979 में जनता पार्टी में देत - वल का कम - चला तो जनता सरकार के प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई को ज्योता - पल देना पड़ा, कई में कोई भी देत बहुत में नहीं रहे जाया। राष्ट्रपति का संसद भंग करके नए चुनाव का आदेश देना पड़ा। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री भूपलनाथ को पूरे मंत्रिमंडल के साथ भी जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस

6) राष्ट्रीय राजनीतिक दल के अंग में भारतीय
राष्ट्रीय कांग्रेस का वर्णन करें।
→ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (Indian National
Congress).

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश का सबसे
पुराना और सक्रिय राजनीतिक दल है जिसकी
स्थापना सेवा-निवृत्त मौर्य अधिकारी श्री
ए. बी. ह्यूम के सपारों के परिणाम स्वरूप
सन् 1885 में लंदन में हुई। भारत में इस दल
का मुख्य उद्देश्य संवैधानिक सुधारों तथा देश
के समग्र विभिन्न समस्याओं पर जनमत
प्रसार करने तक स्पीमित था। प्रस्तावित हुए

1. ଉପରୋକ୍ତ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ହେଉଛି ଶିଶୁମାନଙ୍କର ମୂଳିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କର ସାମାଜିକ ଓ ନିରାପେକ୍ଷତାକୁ ଉତ୍ତମ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା।
 2. ଏହି ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଶିଶୁମାନଙ୍କର ମୂଳିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କର ସାମାଜିକ ଓ ନିରାପେକ୍ଷତାକୁ ଉତ୍ତମ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା।
 3. ଏହି ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଶିଶୁମାନଙ୍କର ମୂଳିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କର ସାମାଜିକ ଓ ନିରାପେକ୍ଷତାକୁ ଉତ୍ତମ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା।
 4. ଏହି ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଶିଶୁମାନଙ୍କର ମୂଳିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କର ସାମାଜିକ ଓ ନିରାପେକ୍ଷତାକୁ ଉତ୍ତମ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା।
 5. ଏହି ଶିକ୍ଷାକ୍ରମର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ହେଉଛି ଶିଶୁମାନଙ୍କର ମୂଳିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ମୂଲ୍ୟବୋଧକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେବା ଏବଂ ସେମାନଙ୍କର ସାମାଜିକ ଓ ନିରାପେକ୍ଷତାକୁ ଉତ୍ତମ ଭାବରେ ଗ୍ରହଣ କରିବାକୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା।

Dr. V. K. Mehta
Professor (B) Political Party in India
JSE III (Group B) Political Party in India
HOD - Political Science, Vasthant Mahavidyalaya
Professor - A.K. Srinivasa (Bachchan)

19/11/2019 190 190

कांग्रेस, सा सिटीकेट काँग्रेस, के नाम से संबोधित किया गया।

सन् 1980 के लोकसभा निर्वाचन और कांग्रेस

इसी बीच पारस्परिक मतभेदों के कारण जनता सरकार के पतन परिणाम स्वरूप जनवरी सन् 1980 में लोकसभा - निर्वाचन हुए जिसमें कांग्रेस (अस) को केवल 13 स्वानु ही प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस ने 525 स्वानु में से 331 स्वानु प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त मई सन् 1980 में नए हुए राज्य विधान सभाओं के निर्वाचन में भी 10 राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी। इस प्रकार कांग्रेस ने सन् 1980 के लोकसभा निर्वाचन में लोकसभा में 2/3 स्पष्ट बहुमत प्राप्त करके अधिकांश राज्यों में अपनी सरकारें बनाकर एक बार पुनः केंद्र तथा राज्यों के शासन पर अपना अधिपत्य स्थापित कर लिया तथा स्वयं को ही वास्तविक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रूप में प्रतिष्ठित कर लिया। इसी आधार पर सन् 1981 में भारत के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भी कांग्रेस को ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मान्यता प्रदान कर दी।

श्रीमति इंदिरा गांधी की हत्या और कांग्रेस

31 अक्टूबर सन् 1984 को श्रीमति इंदिरा गांधी के अंगरक्षकों द्वारा ही उनकी नृशंस हत्या कर दिए जाने के कारण कांग्रेस को भारी धक्का लगा, और ऐसा मनीष होना लगा। कांग्रेस को अपनी एकता और प्रभुत्व को खो देगी। परंतु तत्काल परिस्थितियों में श्री राजीव गांधी के कांग्रेस को भेद्यक्त बना दिया गया तथा उनके नेतृत्व में सन् 1984 की 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन में कांग्रेस ने 503 स्थानों में से 401 स्थान प्राप्त करके अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। अन्य सभी विरोधी दलों को भारी पराजय का सामना करना पड़ा। लेकिन सन् 1989 में नवीं लोकसभा के निर्वाचन में पुनः कांग्रेस की पराजय हुई उस केवल 193 स्थान ही प्राप्त हुए।